महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

चौकमाफी पीपीगंज गोरखपुर उत्तर प्रदेश २७३१६५

Mahayogi Gorakhnath Krishi Vigyan Kendra

Chaukmafi (Peppeganj), Jangal Kaudiya Gorakhpur, U.P-273165

Website : http://www.mgkvk.in Email: gorakhpurkvk2@gmail.com

डॉ विवेक प्रताप सिंह

विशेषज्ञ - पशुपालन

पशुशाला प्रबंधन

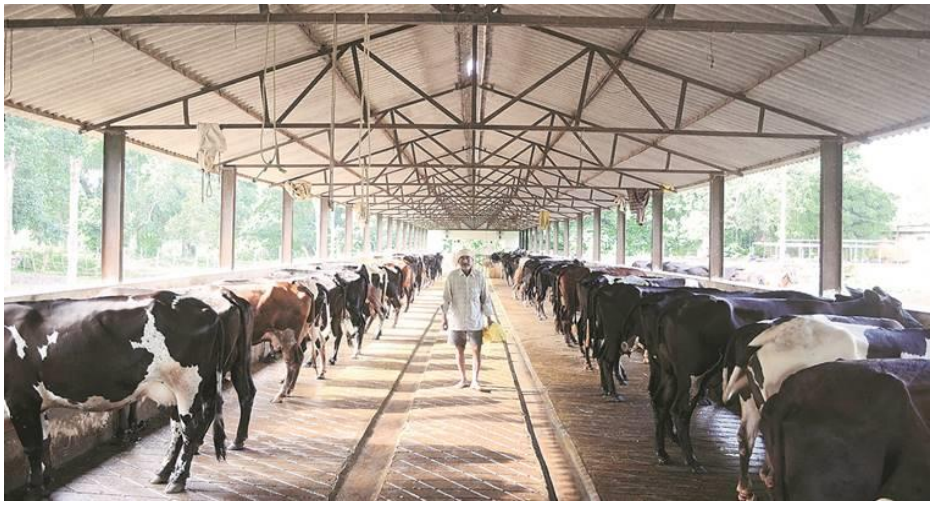

दुधारू पशुओं का सामान्य प्रबंधन अच्छा नहीं हैं तो पशुओं में रोग लगने की संभावना बनी रहती है। इसलिए उनके बेहतर आवास एवं रोगों से बचाव हेतु समुचित व्यवस्था करना नितांत जरूरी हो जाता है। दुधारू पशुओं का आवास बनाते समय यह ध्यान रखें कि उसमें आँधी, वर्षा, सर्दी, गर्मी आदि की सुरक्षा का पूर्ण प्रबंध हो। बाड़े में पशुओं के आराम से उठने–बैठने तथा खिलाई–पिलाई की समुचित व्यवस्था होने चाहिए। दुधारू पशुओं की पशुशाला की नियमित सफाई करना आवश्यक है। इसके लिए समय–समय पर पशुशाला में चूने के प्रयोग के अलावा फिनायल आदि का घोल छिडकते रहना चाहिए। दुधारू पशुओं के निचे का स्थान हमेशा साफ और सूखा रखना चाहिए। जिससे दुधारू पशुओं में तेजी से पैदा हो रहे थनैला जैसे घातक रोगों से बचाव किया जा सके। दुधारू गाय भैंस को दूध निकालने के बाद आधा घंटे तक फर्श पर बैठने न देकर भी थनैला रोग से बचाव किया जा सकता है। थनैला रोग से बचाव हेतु दूध निकालने के बाद पोटेशियम परमेंगनेट मिश्रित पानी के घोल में चारो थनों को डुबाना चाहिए। इससे थनैला रोग के बैक्टीरिया को पनपने का मौका नहीं मिल पाता है।